भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 184*

जिसका उत्तर मंगलवार 31 जुलाई, 2018 को दिया जाना है

उत्कृष्टता केंद्र

184*. श्रीमती कविता कलवकुंतलाः
श्री अभिषेक बनर्जीः

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय पूंजीगत वस्तुओं के क्षेत्र को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु प्रौद्योगिकीय विकास के लिए "उत्कृष्टता केंद्र" स्थापित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो स्थान-वार और राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा इन केंद्रों की स्थापना हेतु केंद्र एवं राज्य-वार आवंटित एवं प्रयुक्त धनराशि कितनी है;

(घ) क्या सरकार लोगों को व्यावसायिक कौशल सेट्स के साथ शिक्षित करने हेतु अनुसंधान एवं विकास के अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

"उत्कृष्टता केन्द्र" के संबंध में श्रीमती कविता कलवकुंतला और श्री अभिषेक बनर्जी द्वारा पूछे गए दिनांक 31.07.2018 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 184 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख) जी हां, "भारतीय केपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने" हेतु योजना के अंतर्गत निम्नलिखित आठ (8) उत्कृष्टता केन्द्र अनुमोदित किए गए हैं:

1) मशीन उपकरणों और उत्पादन प्रौद्योगिकी के लिए ग्यारह (11) उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु।
2) हाई स्पीड शटललेस रेपियर लूम्स के विकास हेतु सेन्ट्रल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (सीएमटीआई), बेंगलुरु, कर्नाटक।
3) तीन (3) वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु।
4) सात (7) विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु आईआईटी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल।
5) पांच (5) क्यूबिक मीटर हाइड्रोलिक एक्सकावेटर के विकास हेतु हेवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन (एचईसी), रांची, झारखंड।
6) स्मार्ट सबमर्सिबल (6 इंच) पंपों के विकास हेतु सि'टार्क, कोयम्बटूर, तमिलनाडु।
7) उच्च कार्य निष्पादन मैटेलिक अलॉय हेतु एडीटिव मैन्युफैक्चरिंग के विकास हेतु आईआईएससी, बेंगलुरू, कर्नाटक।
8) वस्त्र मशीनरी के विकास हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली।

(ग) उपर्युक्त केन्द्रों के लिए अब तक आवंटित/जारी की गई निधियां निम्नानुसार हैं:-

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	उत्कृष्टता केन्द्रों के लिए परियोजना प्राधिकरण	अवस्थिति	आबंटित	जारी की गई
1.	आईआईटी-मद्रास	चेन्नई, तमिलनाडु	44.75392	31.95
2.	सीएमटीआई	बेंगलुरू, कर्नाटक	16.00	5.60
3.	एचईसी	रांची, झारखंड	5.28	2.50
4.	आईआईटी-खड़गपुर	खड़गपुर, पश्चिम बंगाल	47.62	16.87
5.	पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	कोयम्बटूर, तमिलनाडु	21.10	17.99
6.	सि'टार्क	कोयम्बटूर, तमिलनाडु	6.728	6.728
7.	आईआईएससी - बेंगलुरू	बेंगलुरू, कर्नाटक	8.40	4.92
8.	आईआईटी-दिल्ली	नई दिल्ली, दिल्ली	20.068	-
	योग		**169.94992**	**86.558**

(घ) और (ङ) ये उत्कृष्टता केन्द्र, जब कभी आवश्यकता होती है, प्रौद्योगिकियों के विकास के दौरान संबद्ध उद्योग भागीदारों सहित तकनीकी स्टॉफ को प्रशिक्षित करते हैं।

*****